

2021

Time Allowed — 3 Hours

Full Marks — 200

PAPER-I

If the questions attempted are in excess of the prescribed number, only the questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and the remaining ones ignored.

The figures in the margin indicate marks for each question.

Do not write your name, address etc. anywhere inside the answer book. Write X, Y, Z if necessary.

**BENGALI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORTS, PRÉCIS WRITING,
COMPOSITION AND TRANSLATION**

- ১। নিম্নলিখিত যে কোনো একটি বিষয় সম্পর্কে আপনার অভিমত কোনো বাংলা দৈনিক পত্রিকার সম্পাদকের কাছে অনধিক ১৫০ শব্দের মধ্যে পত্রাকারে বিবৃত করুন : (নাম-ঠিকানার পরিবর্তে X, Y, Z লিখুন)
- (ক) অতিমারি ও কুসংস্কার
(খ) ধর্ম এবং ধর্মান্ধতা
(গ) শিক্ষায় মাতৃভাষার গুরুত্ব
- ২। নিম্নলিখিত বিষয় সম্পর্কে ২০০ শব্দের মধ্যে একটি সম্পাদকীয় প্রতিবেদন লিখুন :
'অনলাইন শিক্ষা আমাদের কতদূর এগিয়ে দেবে?'
- ৩। নিম্নলিখিত অংশের সারমর্ম লিখুন : ৪০
- যাঁহারা বাক্যে অজেয়, পরভাষা পারদর্শী, মাতৃভাষা বিরোধী, তাঁহারা হই বাবু। যাঁহাদিগের চরণ মাংসাস্ত্রিবিহীন শুষ্ক কাষ্ঠের ন্যায় হইলেও পলায়নে সক্ষম; হস্ত দুর্বল হইলেও লেখনী ধারণে এবং বেতন গ্রহণে সুপটু, চর্ম কোমল হইলেও সাগরপার নির্মিত দ্রব্যবিশেষের প্রহার সহিষ্ণু, তাঁহারা হই বাবু। যাঁহারা বিনা উদ্দেশ্যে সঞ্চয় করিবেন, সঞ্চয়ের জন্য উপার্জন করিবেন, উপার্জনের জন্য বিদ্যাধ্যয়ন করিবেন, বিদ্যাধ্যয়নের জন্য প্রশ্ন চুরি করিবেন, তাঁহারা হই বাবু।
- ৪। অনুচ্ছেদটি পাঠ করে তার ভিত্তিতে নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলোর উত্তর দিন : ১০×৪=৪০
- কোনও কোনও বৈজ্ঞানিক নামের একটা মোহিনী শক্তি আছে, লোকে সেই নাম শিখিলে স্থানে অস্থানে প্রয়োগ করে। 'গাটাপার্চা' এইরকম একটি মুখরোচক শব্দ। ফাউন্টেন পেন, চিরুনি, চশমার ফ্রেম প্রভৃতি বহু বস্তুর উপাদানকে লোকে নির্বিচারে গাটাপার্চা বলে। গাটাপার্চা রবারের ন্যায় বৃক্ষবিশেষের নিষ্যন্দ। ইহাতে বৈদ্যুতিক তারের আবরণ হয়, জলরোধক বার্ণিশ হয়, ডাক্তারি চিকিৎসায় ইহার পাত ব্যবহৃত হয়। কিন্তু সাধারণত লোকে যাহাকে গাটাপার্চা বলে তাহা অন্য বস্তু। আজকাল যে সকল শৃঙ্গবৎ কৃত্রিম পদার্থ প্রস্তুত হইতেছে তাহার কথা সংক্ষেপে বলিতেছি — নাইট্রিক অ্যাসিড, তুলা ইত্যাদি হইতে সেলুলয়েড হয়। ইহা কাচতুল্য স্বচ্ছ, কিন্তু অন্য উপাদান যোগে রঞ্জিত, চিত্রিত বা হাতির দাঁতের ন্যায় সাদা করা যায়। ফোটোগ্রাফের ফিল্ম, মোটর গাড়ির জানালা, হার্মোনিয়মের চাবি, পুতুল, চিরুনি, বোতাম প্রভৃতি অনেক জিনিসের উপাদান সেলুলয়েড। অনেক চশমার ফ্রেমও এই পদার্থ। রবারের সহিত গন্ধক মিলাইয়া ইবনাইট বা ভলকানাইট প্রস্তুত হয়। বাংলায় ইহাকে 'কাচকড়া' বলা হয়। যদিও কাচকড়ার মূল অর্থ কাছিমের খোলা। ইবনাইট স্বচ্ছ নয়। ইহা হইতে ফাউন্টেন পেন, চিরুনি প্রভৃতি প্রস্তুত হয়।

20906

Please Turn Over

For guidance of WBCS Prelims , Main Exam and Interview by WBCS Gr A Officers/ Toppers, WBCS Prelims and Main Mock Test (Classroom & Online), Optional Subjects, Studymaterials, Correspondence Course etc.Call WBCSMadeEasy™ at Toll Free Help Line no 1800 572 9282 or 9674493673 or 8274048710 or mail us at mailus@wbcsmadeeasy.in

आर० नानाजातीय स्वच्छ वा शुद्धवत् पदार्थ विभिन्न नामे बाजारे चलितेछे, यथा — सेलोनफोन, भिसकॉस, ग्यालालिथ ब्याकेलाईट इत्यादि। एणुलिर उपादान ० प्रस्तुतप्रणाली विभिन्न। नकल रेशम, नकल हातिर दाँत, नानारकम वार्षिक, बोताम, चिरुनि प्रभृति बह शोथिन जिनिस ०इ सकल पदार्थ हईते प्रस्तुत हय।

- (क) गाटापार्चा की? एर उपकारिता कोथाय कोथाय देखा यय?
- (ख) सेलुलयेडेर उत्स की? आमामेदेर जाना कोन् कोन् जिनिस सेलुलयेड दिये तेरि हय?
- (ग) भलकानाईट कीभावे तेरि हय? एटि किरकम पदार्थ? एर बांग्ला अर्थ परिस्फुट करे।
- (घ) वैज्ञानिक नामेर मोहिनी शक्तिर अपप्रयोगे की हय?

५। निम्नलिखित अंशटि वद्वानुवाद करुन :

80

That afternoon almost the whole of Kamarpukur comes for the Kirtan. Through Dhani, the word was spread that Ramkrishna would go back to Dakshineswar, so no one wanted to miss this opportunity. As the courtyard is too small to hold the crowd, they shift to a nearby field. Several of the men have Khols, two or three have violin, and a few others have flutes. The men sit on the ground in a group with Ramkrishna and the ladies sit on one side.

HINDI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORT, PRÉCIS WRITING, COMPOSITION AND TRANSLATION

40

1. Write a letter in about 150 words (*any one*):

(Write XYZ for Name and Address)

- (क) समाज में बढ़ती हुई असुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।
- (ख) खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या को दूर करने के लिए स्वास्थ्य-विभाग को पत्र लिखिए।
- (ग) कोरोना या कोविड -19 का समाज पर प्रभाव।

2. 'महिलाओं पर बढ़ रही सामाजिक हिंसा' पर चिन्ता व्यक्त करते हुए समाचार पत्र के लिए एक प्रतिवेदन लिखिए।
(अधिकतम 200 शब्दों में) 40

3. निम्नलिखित गद्यांश का सार लिखिए :

आदर्शों के लिए आजादी एक बेशकीमती मोती है। वह आजादी तब ही हासिल हो सकती है जब हम अनेक तरह की फिकर और चिन्ता से निर्द्वन्द्व हों और हमारी तबियत में आत्मनिर्भरता ने दखल कर लिया हो। इस दिशा में बड़ी से बड़ी चिन्ता और फिकर हमें उतनी असह्य न मालूम होगी कि वह हमारी स्वच्छंदता को जड़ से उखाड़ सके। किसी वस्तु का जब बीज बना रहता है तो उसको फिर बढ़ा लेना सहज है। आत्मनिर्भरता की योग्यता सम्पादन किये बिना ही हम लोगों के माँ-बाप लड़कपन में अपने लड़कों का ब्याह कर यावज्जीवन के लिए उनकी स्वच्छंदता का बीज नष्ट कर देते हैं।

40

4. प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

10×4=40

ऊर्जा हमारे जीवन का पर्याय है। औद्योगिक विकास का मूलाधार भी यही है। लेकिन विकास के साथ ही हमने प्रकृति को खोखला कर डाला है। प्राकृतिक सम्पद का ऐसा खुलकर अपव्यय किया है, जिसकी भरपाई सम्भव नहीं है। हमने तात्कालिक लाभ के लिए दूरगामी दुष्प्रभावों को ताक पर रख दिया है, क्योंकि टेक्नोलॉजी के विकास के जरिए आधुनिक विकास की दौड़ में हम लगे हुए हैं। पूर्वकाल की सभ्यताओं के साथ बात उलटी थी। वे प्रकृति को प्राकृतिक संसाधनों का खजाना मात्र नहीं मानती थी। उसके हर रूप में देवी स्वरूप दर्शन करती थी, लेकिन टेक्नोलॉजी से उद्भूत सभ्यता उपभोगवादी संस्कृति की कायल है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

(ख) ऊर्जा का हमारे सामाजिक जीवन में क्या महत्त्व है?

(ग) तात्कालिक लाभ के लिए दूरगामी दुष्प्रभावों को ताक पर रखने का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) पूर्वकाल की सभ्यताओं से वर्तमान सभ्यता का पार्थक्य स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

40

That afternoon almost the whole of Kamarpukur comes for the Kirtan, through Dhani, the word was spread that Ramkrishna would go back to Dakshineswar, so no one wanted to miss this opportunity. As the courtyard is too small to hold the crowd, they shift to a nearby field. Several of the men have Khols, two or three have violin and a few others have flutes. The men sit on the ground in a group with Ramkrishna and the ladies sit on one side.

URDU, LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORT, PRÉCIS WRITING,
COMPOSITION AND TRANSLATION

1. Write a letter from the following topics to the editor of an Urdu newspaper in 150 words:

40

(Write XYZ for Name and Address)

(a) جدید ٹیکنالوجی کے فوائد اور نقصانات

(b) صالح معاشرہ کی تشکیل میں اساتذہ کا کردار

(c) اخبار بینی کے فوائد

2. Draft a report on the following topic in 200 words.

40

”اتحاد میں قوت ہے“

3. Write a précies of the following passage in Urdu.

40

درج ذیل اقتباس کی تلخیص پیش کیجئے۔

اردو زبان و ادب پر انیسویں صدی کی آخر دہائیوں سے لے کر بیسویں صدی کے اواخر تک مختلف تحریکوں اور رجحانات کا اثر نمایاں ہے۔ ان رجحانات و میلانات کے زیر سایہ شاعری اور نثر میں قابل قدر اضافے ہوئے۔

انہیں رجحانات کے اثر سے ادب میں حقیقت، رومانیت، اجتماعیت اور واقعہ کے مختلف رنگوں کا ایسا نگار خانہ تیار ہو گیا جس نے اردو زبان و ادب پر کئی موثر اور پائیدار نقش ثبت کر دیئے۔ ۱۸۵۷ء کے انقلاب کی ناکامی نے جہاں مغربیت کے اثر و رسوخ کو استحکام بخشا وہیں مشرقی روایات، اعتقادات، سیاست اور معاشرت سبھی کو حد درجہ متاثر کیا۔ مغربی تعلیم و تہذیب کے اثر سے رفتہ رفتہ مشرقی اذہان میں بھی تبدیلی آئی۔ مغرب کے اثر سے نچرل شاعری کو فروغ ہوا۔ حقیقی زندگی کی عکاسی شاعری میں شروع ہوئی۔ اس کے علاوہ مغربی ادبیات میں رونما ہونے والی تحریکات تھے اور مغربی ادب کے اصناف و اسالیب سے اردو ادب بھی متاثر ہوا۔ اور مغربی ادب کے تنوع میں اردو شاعری کی نئی راہیں متعین ہونے لگیں۔ بیسویں صدی میں وجودیت، نفسیات، جدیدیت اور مابعد جدیدیت کی تحریکیں مغرب ہی کے اثر سے اردو میں داخل ہوئیں جس کا اظہار نثر و نظم کی جملہ اصناف میں ہوا.....

10×4=40

4. Read the following text carefully and write the answers of the questions:

درج ذیل متن کو غور سے پڑھئے اور نیچے دیئے گئے سوالوں کے جواب لکھئے۔

”فطرت انسانی میں جذبہ درد و غم کی حیثیت قوی تر ہے۔ اور رنج و غم کے احساس کی شدت ہی اشک و آہ کی شکل اختیار کرتی ہے۔ اور چونکہ دنیا کی بیشتر زبانوں کی ابتدا نظم سے ہوئی ہے اس لئے شاعر کا دل جب درد و غم سے لبریز ہو جاتا ہے تو وہ آہ و بکا کو شاعری کے قالب میں اس طرح ڈھالتا ہے کہ اس اشعار خود مجسم تصویر درد بن جاتے ہیں۔ اسی بیان رنج و الم کو مرثیہ کے نام سے موسوم کرتے ہیں۔

مرثیہ عربی زبان کا لفظ ہے۔ یہ لفظ رثی (رثی) سے مشتق ہے جس کے لغوی معنی مردے کو رونے اور اس کی خوبیاں بیان کرنے کے ہیں۔ اصطلاح شعر میں اس صنف کو کہتے ہیں جس میں کسی مرنے والے کی تعریف و توصیف اور اس کی وفات پر اظہار ماتم کیا جائے۔

عربی دنیا کی قدیم زبانوں میں سے ایک ہے اور مرثیہ شاید عربی کی قدیم ترین صنف سخن ہے۔ مرثیہ گوئی کا صحیح مبداء ملک عرف اور زبان عربی ہے۔ وہاں مرثیہ گوئی کا عام رواج تھا۔ اس لئے یہ کہنا کسی حد تک بجا ہوگا کہ عرب میں شاعری کا آغاز مرثیہ سے ہی ہوا۔ اور یہی ہونا چاہئے تھا۔ عرب میں شاعری کی ابتدا باکل فطرت کے اصول پر ہوئی۔ یعنی جو جذبات دلوں میں پیدا ہوتے تھے وہی اشعار میں ادا کر دیئے جاتے تھے۔ جذبات میں درد و غم کا جذبہ اور جذبات سے قوی تر ہے۔ اور جس جوش سے یہ ظاہر ہوتا ہے اور جذبات ظاہر نہیں ہو سکتے۔ عربی شعراء اپنے عزیزوں، ساتھیوں، بزرگوں اور قبیلے کے افراد کی موت پر مرثیہ کہا کرتے۔ ان میں مرنے والے کی توصیف اور اس سے تعلق خاطر کی بنا پر قلبی رنج و غم کا اظہار کیا جاتا۔ لیکن عباسی دور میں خراسانیوں کی معرفت ایرانیوں کا عمل دخل ہوا تو انہوں نے اس صنف شاعری کو اپناتے ہوئے نہ صرف فارسی میں رائج کیا بلکہ اس کے دامن کو وسیع تر کیا۔ عربی میں خنساء، تم، بن نویرہ اور فردوسی نے کامیاب مرثیے لکھے۔ فارسی میں فردوسی، فرخی، شیخ سعدی، امیر خسرو، نظیر سی، عربی،

مختتم وغیرہ نے اس صنف کو تقویت عطا کی۔ ایرانی شعراء نے عربوں کے مرثیوں کے نمونے دیکھے۔ اس کا اثر یہ ہوا کہ فارسی شاعری میں بھی مرثیوں کے اضافے ہو گئے۔ اور پھر ایرانیوں اور فارسی زبان کی معرفت اردو میں اس صنف شاعری کی ابتدا ہوئی۔“

- ۱۔ فطرت انسانی میں کس جذبہ کو قوی تر حیثیت حاصل ہے؟
- ۲۔ مرثیہ کس زبان کا لفظ ہے اس کے لغوی معنی کیا ہیں؟
- ۳۔ مرثیہ گوئی کا اصل مبداء کون سا ملک ہے؟ ایران میں اس کی ابتدا کس طرح ہوئی؟
- عرب و ایران کے مشہور مرثیہ نگاروں کے نام لکھئے۔
- ۴۔ اردو میں مرثیہ گوئی کی ابتدا کیونکر ہوئی۔ چند جملوں میں مرثیہ گوئی کی خصوصیت بیان کیجئے۔

5. Translate into Urdu:

40

That afternoon almost the whole of Kamarpukur comes for the Kirtan. Through Dhani, the word was spread that Ramkrishna would go back to Dakshineswar, so no one wanted to miss this opportunity. As the courtyard is too small to hold the crowd, they shift to a nearby field. Several of the men have Khols, two or three have violin, and a few others have flutes. The men sit on the ground in a group with Ramkrishna and the ladies sit on one side.

NEPALI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORT, PRÉCIS WRITING,
COMPOSITION AND TRANSLATION

1. Write a letter in about 150 words (*any one*):

40

(Write XYZ for name and address)

तलका मध्ये कुनै एउटा विषयमा लगभग १५० शब्दभित्र एउटा पत्र लेख्नुहोस्।

(नाम र ठेगानाका ठाउँमा XYZ लेख्नुहोस्)

(क) चियाबारीका समस्यामा तपाईंको सुझाउ।

(ख) साईबर अपराधमा रोकथाम।

(ग) कृषि कानून र कृषक।

2. Draft a report in about 200 words.

40

अन-लाइन कक्षा विद्यार्थीहरूका निमित्त कति उपयोगी?

For guidance of WBCS Prelims , Main Exam and Interview by WBCS Gr A Officers/ Toppers, WBCS Prelims and Main Mock Test (Classroom & Online), Optional Subjects, Studymaterials, Correspondence Course etc. Call WBCSMadeEasy™ at Toll Free Help Line no 1800 572 9282 or 9674493673 or 8274048710 or mail us at mailus@wbcsmadeeasy.in

3. Write a précis of the following:

40

मान्छे भन्ने चैतन्य पशुको सर्वप्रथम चेतनामा महसूस हुन आएको प्रथम आवश्यकता यदि पहिलाउँदै गर्यौं भने हामीलाई अनुमान गर्न कर लाग्छ कि त्यो नितान्त आवश्यकीय वस्तु घर रहेछ। आदिमकालमा मान्छेलाई खाद्य समस्या थिँदै थिएन किनभने त्यस समय जति वनस्पती, फल-फूल, कन्दमूल र शिकारको प्रचुरता थियो भने उतिकै जनसङ्ख्याको अल्पता थियो। तर मान्छेलाई त्यबखत रातको भयावह अन्धकार, हुरी-बतास र पानी - पैहोको भीषणतादेखि बाँच्ने सुरक्षित घर भने थिएन जुन आभावले गर्दा मान्छेको निकै लामो ताँती सन्ततिले कतिपय युगहरूसम्मन् विकट सङ्घर्ष गरिरहनु परेको थियो। शायद सङ्घटकालीन अवस्थामा अद्वारभित्र पस्दा, त्यहाँ पनि हिंस्रक जानवारहरूसित लडाईं गर्नु परेको थियो र यस्तै यस्तै सङ्घर्षहरूबाट मानिसले अन्त्यमा कतिपय दुर्भाग्यपूर्ण युगहरू पश्चात् मानव संस्कारमा खटकिरहेको - घर भन्ने वस्तुको आवश्यकता पूर्ण गरेको हो। ठूला ठूला वृक्षहरूका आङमा अनि विपाल ढुङ्गाहरूका थाकमा केही संशोधन र रूप परिवर्तन गरेर अथवा बाँस र खरको सङ्कलित छाजनसा ढुङ्गाहरूका देवल उठाएर र यस्तै कर्मले मान्छेहरू आज पनि इस्पातको गगनचुम्बी घरहरू समेत निर्माण गरिरहेछन् यसर्थ यो मानिसको नितान्त आवश्यकीय वस्तु हो।

4. Read the following text carefully and write the answers of the questions :

10×4=40

निम्नलिखित उद्धरण पढेर तल विइएका प्रश्नहरूको उत्तर लेख्नुहोस् :

लोक गीत र लोक नाच साधारण जनताको जीवनप्रति पोखाएका हृदयका सत्य भावनाहरू हुन्। यहाँ नै यिनीहरूका दुःख-सुख, आँसु-हर्ष, आशा-निराशा, आँट-भरोसा, सोच-विचार आदि चित्रित हुन्छन्। यी अपठित श्रमजीवी सम्प्रदायको मनोवैज्ञानिक अध्ययन बिना कुनै देश अघि बढ्न सक्दैन। यिनीहरू नै देशको मूल खाँबा हुन्। यिनीहरूकै संस्कृति देशको मूल संस्कृति हो। यिनीहरूकै श्रममा सारा विश्वको धरती हाँस्छ।

भाषामा, रूप वा आकृतिमा विभिन्नता भए पनि जन सङ्गीत भौगोलिक पर्खालको साँघुरो घेराभित्र थुनिएको छैन। सारा विश्वको जन सङ्गीतको आत्मा एउटा धुनमा बोल्छ। हिमालयका काखबाट झरेर जसरी टिस्टा रङ्गीत दोभानमा भेट भई अरूहरूलाई आरू है! भन्दै महानदीमा मिल्न अगाडि बढ्छन् त्यसरी नै मान्छेको सत्य सङ्गीत सारा भौगोलिक पर्खाललाई नाघेर मान्छेको मुटुसित मिल्छ।

नेपाली जाति विभिन्न जात वा गोष्ठीको मिलनले बनेको हो। यी विभिन्न जात वा गोष्ठीका आफ्ना आआफ्नै लोक सङ्गीत र नाच छन्। गुरुङलाई रोदी घरमा नाच प्यारो लाग्छ भने तामाङलाई डम्फुको तालमा आनन्द आउँछ। बाहुन-छेत्रीलाई कम्मर मर्काई बालुन र साँगिनी खेल्न रौस लाग्छ भने शेर्पालाई खिरकुले गोर्मु अनि रेबालूमा मस्त हुन आनन्द आउँछ। दमाईलाई बेठी नाच रहर लाग्छ भने राईलाई हाकपारे भट्याउन आनन्द आउँछ। नेवारलाई लाखे नचाउन हर्ष लाग्छ भने लिम्बुलाई च्याबुङ ठट्याउन गर्व लाग्छ। जे होस, यी सब लोकगीत अनि नाचहरू नियालेर विचार गरे सबैमा एउटै आत्मा बोलेको पाउँछौं। प्रकृतिको सौन्दर्यमा एउटै आनन्द, यसका डरलाग्दा रूपमा एउटै डर, प्रियसी र प्रियको मिलन र बिछोडमा त्यस्तै हर्ष र वेदना, श्रमको सफलता र विफलतामा त्यस्तै आनन्द र निराशा झल्किएका हामी यी विभिन्न गीत र नाचमा पाउँछौं।

१. “यिनीहरू नै देशको मूल खाँबा हुन्।”- यहाँ कसलाई र किन देशको मूल खाँबा भनिएको हो?
२. नेपाली जातिभित्र पर्ने विभिन्न जात - गोष्ठीका नामहरू लेख्नुहोस्।
३. माथिका उद्धरणमा उल्लेख गरिएका लोक गीत, नाच र बाजारहरूका नाम लेख्नुहोस्।
४. “जन सङ्गीत भौगोलिक पर्खालको साँघुरो घेराभित्र थुनिएको छैन”- यस भनाईलाई स्पष्ट पार्नु होस्।

5. Translate into Nepali :

40

That afternoon almost the whole of Kamarpukur comes for the Kirtan. Through Dhani, the word was spread that Ramkrishna would go back to Dakshineswar, so no one wanted to miss this opportunity. As the courtyard is too small to hold the crowd, they shift to a nearby field. Several of the men have Khols, two or three have violin, and a few others have flutes. The men sit on the ground in a group with Ramkrishna and the ladies sit on one side.

For guidance of WBCS Prelims , Main Exam and Interview by WBCS Gr A Officers/ Toppers, WBCS Prelims and Main Mock Test (Classroom & Online), Optional Subjects, Studymaterials, Correspondence Course etc.Call WBCSMadeEasy™ at Toll Free Help Line no 1800 572 9282 or 9674493673 or 8274048710 or mail us at mailus@wbcsmadeeasy.in

